

प्रेषक,

वी० हेकाली झिमोमी,  
सचिव,  
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी,  
उत्तर प्रदेश।
2. समस्त प्रमुख/मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षिका  
मण्डलीय/संयुक्त/जिला चिकित्सालय, उ०प्र०।

चिकित्सा अनुभाग-5

लखनऊः दिनांक : ०४जून, 2020

विशयः-कोविड-19 संक्रमण की प्रोफाइलेक्सिस हेतु हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन के प्रयोग के संशोधित दिशा-निर्देश के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त के सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि आई०सी०एम०आर० द्वारा पूर्व में दिनांक 23.03.2020 को निर्गत दिशा-निर्देश को संशोधित करते हुये दिनांक 22.05.2020 (प्रति संलग्न) को नवीन दिशा-निर्देश निर्गत किये गये हैं। कोविड-19 संक्रमण के बचाव हेतु कोविड पुष्ट/संदिग्ध/सामान्य रोगियों के उपचार में कार्य कर रहे एसिम्टोमैटिक स्वास्थ्य कर्मियों तथा कोविड पुष्ट रोगियों के सम्पर्क में आये उनके घर के एसिम्टोमैटिक सदस्यों को प्रोफाइलेक्टिक हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन टैबलेट दिये जाने के सम्बन्ध में निर्देश दिये गये हैं, जिसके अनुसार निम्नलिखित कर्मियों/व्यक्तियों में प्रोफाइलेक्सिस हेतु हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन टैबलेट का प्रयोग किया जा सकता है।

क्र० सं०	कर्मों/व्यक्ति का विवरण	डोज/मात्रा	किसके द्वारा दी जायेगी।
1	प्रयोगशाला से पुष्ट रोगी के सम्पर्क में आये एसिम्टोमैटिक घरेलू व्यक्ति <sup>#</sup> ।	400 एम०जी० सुबह शाम प्रथम दिन, इसके उपरान्त 400 एम०जी० सप्ताह में 01 बार अगले 03 सप्ताह तक; दवा नाश्ते या खाने के साथ ली जानी है।	आर०आर०टी० टीम के चिकित्सक के पर्यवेक्षण में स्क्रीनिंग के उपरान्त प्रथम दिन सहित पर्चा लिखकर 03 सप्ताह की दवा उपलब्ध करायी जाएगी।
2	<ul style="list-style-type: none"> <li>• ऐसे एसिम्टोमैटिक स्वास्थ्य कर्मों जो कोविड-19 के कन्टेन्मेन्ट या उपचार संबंधी कार्य में लगे हो तथा ऐसे एसिम्टोमैटिक स्वास्थ्य कर्मों जो नॉन कोविड अस्पताल में अथवा कोविड अस्पताल के नॉन कोविड ब्लॉक में कार्य कर रहें हो।</li> <li>• एसिम्टोमैटिक फ्रन्टलाइन वर्कर जैसे कन्टेन्मेन्ट जोन में सर्विलॉन्स इत्यादि का कार्य कर रहें कर्मों और पुलिस तथा पैरामिलिट्री फोर्स के कोविड-19 संबंधी कार्य में लगे कर्मों।</li> </ul>	400 एम०जी० सुबह शाम प्रथम दिन, इसके उपरान्त 400 एम०जी० सप्ताह में 01 बार अगले 07* सप्ताह तक; दवा नाश्ते या खाने के साथ ली जानी है।	<p>प्रा०/सामु० स्वा० केन्द्र/जिला चिकित्सालय के चिकित्सक द्वारा दी जाएगी।</p> <p>प्रा०/सामु० स्वा० केन्द्र/जिला/पुलिस चिकित्सालय के चिकित्सक द्वारा दी जायेगी।</p>

# – बिन्दु सं० 1 पर उल्लिखित व्यक्तियों को आर०आर०टी० टीम के चिकित्सक के पर्यवेक्षण में **संलग्न प्रारूप** पर हेल्थ स्क्रीनिंग करते हुये औषधि उपलब्ध कराई जायेगी।

\* – प्रोफाइलैक्सिस की अवधि चिकित्सकीय देख-रेख में ई०सी०जी० इत्यादि जाँच के साथ 08 सप्ताह के बाद भी बढ़ाई जा सकती है।

दिशा-निर्देश:-

**जिनको नहीं दी जानी है:-**

1. ऐसे व्यक्ति जिनको रेटिनोपैथी हो।
2. ऐसे व्यक्ति जिन्हें Glucose-6 Phosphatase Deficiency हो।
3. ऐसे व्यक्ति जिन्हें Cardiomyopathy या Cardiac Rhythm Disorder हो।
4. Hydroxychloroquine या 4-Aminoquinolin Compound से एलर्जी हो।
5. 15 वर्ष से कम उम्र के बच्चे।
6. गर्भवती महिलायें।
7. स्तन पान कराने वाली मातायें।

**विशेष ध्यान देने योग्य बातें:-**

1. चिकित्सक द्वारा अथवा उनके पर्यवेक्षण में हेल्थ स्क्रीनिंग के उपरान्त दी जायेगी।
2. हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन औषधि का प्रयोग और इस अवधि में व्यक्तियों के स्वास्थ्य की निगरानी आई०सी०एम०आर० द्वारा दिनांक 22.05.2020 को जारी की गयी नवीन दिशा-निर्देशों के अनुसार की जाए।
3. दवा खाने के बाद किसी प्रकार का प्रतिकूल प्रभाव दिखने पर नजदीकी चिकित्सालय में तुरन्त दिखायें।
4. औषधि के प्रयोग की अवधि में यदि किसी व्यक्ति में कोविड-19 या अन्य रोग के लक्षण उत्पन्न होते हैं तो तत्काल चिकित्सकीय परामर्श लें।
5. होम क्वारेन्टाइन में रहने वाले व्यक्ति औषधि प्रयोग के साथ क्वारेन्टाइन के सभी नियमों और संक्रमणरोधी उपायों का पालन करते रहेंगे।

**संलग्नक यथोक्त।**

भवदीया,

( वी० हेकाली शिमोमी )  
सचिव।

**संख्या-1221(1)/पांच-5-2020, तददिनांक**

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य/परिवार कल्याण, उ०प्र०।
2. निदेशक, संचारी रोग, उ०प्र०, लखनऊ
3. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

( वेद प्रकाश राय )  
अनु सचिव।

## संकेत-प्रारूप

हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन प्रोफाइलैक्सिस हेतु स्क्रीनिंग प्रारूप	
नाम:	
आयु:	
लिंग:	
पता:	
मोबाइल नं०:	
व्यक्ति जिन्हें औषधि नहीं दी जानी है	
दवा से एलर्जी होना	
15 वर्ष से कम अथवा 60 वर्ष सं अधिक आयु होने पर	
गर्भवती होने पर	
स्तनपान कराने वाली मातायें	
हृदय रोग / धड़कन सामान्य न होना / उच्च रक्तचाप होने पर	
मेडिकल हिस्ट्री विपरीत होने पर	

निम्नलिखित लक्षण प्रकट होने पर औषधि रोक दें एवं चिकित्सीय सलाह लें	
रक्तचाप कम होना, धड़कन असामान्य होना, बेहोशी होना, सीने में कसाव होना, घबराहट होना, खुजली होना, चकत्ते निकलना, पेट में दर्द, जी मालिश एवं उल्टी होना।	तत्काल चिकित्सालय में दिखायें।
देखने में धुधलापन आने पर	
कोविड-19 के लक्षण (बुखार, खांसी, सांस लेने में तकलीफ इत्यादि) प्रकट होने पर	

प्राप्तकर्ता के हस्ताक्षर



**icmr**  
INDIAN COUNCIL OF  
MEDICAL RESEARCH  
Serving the nation since 1911

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद  
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग, स्वास्थ्य और परिवार  
कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार

Indian Council of Medical Research  
Department of Health Research, Ministry of Health  
and Family Welfare, Government of India

Date: 22/05/2020

**Revised advisory on the use of Hydroxychloroquine (HCQ) as prophylaxis for SARS-CoV-2 infection (in supersession of previous advisory dated 23<sup>rd</sup> March, 2020)**

**1. Background**

The Joint Monitoring Group under the Chairmanship of DGHS and including representatives from AIIMS, ICMR, NCDC, NDMA, WHO and experts drawn from Central Government hospitals reviewed the prophylactic use of Hydroxychloroquine (HCQ) in the context of expanding it to healthcare and other front line workers deployed in non-COVID and COVID areas, respectively.

The National Task force (NTF) for COVID-19 constituted by Indian Council of Medical Research also reviewed the use of HCQ for prophylaxis of SARS-CoV-2 infection for high risk population based on the emerging evidence on its safety and efficacy. The NTF reviewed the data on in-vitro testing of HCQ for antiviral efficacy against SARS-CoV-2, safety profile of HCQ reported to the pharmacovigilance program of India, and data on the use of HCQ for the prophylaxis of SARS-CoV-2 infection among health care workers (HCWs) and reported its findings as detailed below:

**1.1 In-vitro study**

At NIV, Pune, the report of the in-vitro testing of HCQ for antiviral efficacy showed reduction of infectivity /log reduction in viral RNA copy of SARS-CoV2.

**1.2 Safety Profile of HCQ**

The data on assessment of HCQ prophylaxis among 1323 HCWs indicated mild adverse effects such as nausea (8.9%), abdominal pain (7.3%), vomiting (1.5%), hypoglycemia (1.7%) and cardio-vascular effects (1.9%). However, as per the data from the Pharmacovigilance program of India, there have been 214 reported instances of adverse drug reactions associated with prophylactic HCQ use. Of these, 7 were serious individual case safety reports with prolongation of QT interval on ECG in 3 cases.

**1.3 Studies on prophylaxis of SARS-CoV-2 infection**

- A retrospective case-control analysis at ICMR has found that there is a significant dose-response relationship between the number of prophylactic doses taken and frequency of



occurrence of SARS-CoV-2 infection in symptomatic healthcare workers who were tested for SARS-CoV-2 infection.

- Another investigation from 3 central government hospitals in New Delhi indicates that amongst healthcare workers involved in COVID-19 care, those on HCQ prophylaxis were less likely to develop SARS-CoV-2 infection, compared to those who were not on it. The benefit was less pronounced in healthcare workers caring for a general patient population.
- An observational prospective study of 334 healthcare workers at AIIMS, out of which 248 took HCQ prophylaxis (median 6 weeks of follow up) in New Delhi also showed that those taking HCQ prophylaxis had lower incidence of SARS-CoV-2 infection than those not taking it.

## 2. Eligibility criteria for HCQ prophylaxis

The Advisory earlier issued (dated 23<sup>rd</sup> March, 2020; available at: <https://www.mohfw.gov.in/pdf/AdvisoryontheuseofHydroxychloroquinasprophylaxisforSARSCoV2infection.pdf>), provided placing the high risk population (asymptomatic Healthcare Workers involved in the care of suspected or confirmed cases of COVID-19 and asymptomatic household contacts of laboratory confirmed cases of COVID-19) under chemoprophylaxis with HCQ.

In light of all of the above, the Joint Monitoring Group and NTF have now recommended the prophylactic use of HCQ in the following categories:

1. All asymptomatic healthcare workers involved in containment and treatment of COVID-19 and asymptomatic healthcare workers working in non-COVID hospitals/non-COVID areas of COVID hospitals/blocks
2. Asymptomatic frontline workers, such as surveillance workers deployed in containment zones and paramilitary/police personnel involved in COVID-19 related activities.
3. Asymptomatic household contacts of laboratory confirmed cases.

## 3. Exclusion/contraindications

- The drug is contraindicated in persons with known case of:
  1. Retinopathy,
  2. Hypersensitivity to HCQ or 4-aminoquinoline compounds
  3. G6PD deficiency
  4. Pre-existing cardiomyopathy and cardiac rhythm disorders
- The drug is not recommended for prophylaxis in children under 15 years of age and in pregnancy and lactation.

Rarely the drug causes cardiovascular side effects such as cardiomyopathy and rhythm (heart rate) disorders. In that situation the drug needs to be discontinued. The drug can rarely cause visual disturbance including blurring of vision which is usually self-limiting and improves on



discontinuation of the drug. For the above cited reasons the drug has to be given under strict medical supervision with an informed consent.

#### 4. Dosage

S. No.	Category of personnel	Dosage
1	<ul style="list-style-type: none"><li>Asymptomatic household contacts of laboratory confirmed cases</li></ul>	400 mg twice a day on Day 1, followed by 400 mg once weekly for next 3 weeks; to be taken with meals
2	<ul style="list-style-type: none"><li>All asymptomatic healthcare workers involved in containment and treatment of COVID-19 and asymptomatic healthcare workers working in non-COVID hospitals/non-COVID areas of COVID hospitals/blocks</li><li>Asymptomatic frontline workers, such as surveillance workers deployed in containment zones and paramilitary/police personnel involved in COVID-19 related activities</li></ul>	400 mg twice a day on Day 1, followed by 400 mg once weekly for next 7 weeks; to be taken with meals

#### 5. Use of HCQ prophylaxis beyond 8 weeks [in categories 4 (2) above]

In clinical practice HCQ is commonly prescribed in a daily dose of 200mg to 400mg for treatment of diseases such as Rheumatoid Arthritis and Systemic Lupus Erythematosus for prolonged treatment periods with good tolerance. With available evidence for its safety and beneficial effect as a prophylactic drug against SARS-COV-2 during the earlier recommended 8 weeks period, the experts further recommended for its use beyond 8 weeks on weekly dosage with strict monitoring of clinical and ECG parameters which would also ensure that the therapy is given under supervision.

Based on the available evidence, it has been opined that HCQ is relatively safe, when certain contraindications are avoided, and has some beneficial effect as a prophylactic option.

#### 6. Monitoring

- An ECG (with estimation of QT interval) may be done before prescribing HCQ prophylaxis.
- An ECG should be done in case any new cardiovascular symptoms occurs (e.g., palpitations, chest pain syncope) during the course of prophylaxis.
- An ECG (with estimation of QT interval) may be done in those who are already on HCQ prophylaxis before continuing it beyond 8 weeks.
- One ECG should be done anytime during the course of prophylaxis.



## 7. Key considerations

While following above recommendations, it should be noted that:

- 1) The drug has to be given under strict medical supervision with an informed consent.
- 2) The drug has to be given only on the prescription of a registered medical practitioner.
- 3) Advised to consult with a physician for any adverse event or potential drug interaction before initiation of medication. The contraindications mentioned in the recommendations should strictly be followed.
- 4) Health care workers and other frontline workers on HCQ should be advised to use PPE. Front line workers should use PPEs in accordance with the guidelines issued by this Ministry (available at: <https://www.mohfw.gov.in/pdf/GuidelinesonrationaluseofPersonalProtectiveEquipment.pdf> and <https://www.mohfw.gov.in/pdf/UpdatedAdditionalguidelinesonrationaluseofPersonalProtectiveEquipmentsettingapproachforHealthfunctionariesworkinginnonCOVID19areas.pdf>) or by their respective organization.
- 5) They should be advised to consult their physician (within their hospital/surveillance team/security organization) for any adverse event or potential drug interaction before initiation of medication. The prophylactic use of HCQ to be coupled with the pharmacovigilance for adverse drug reactions through self-reporting using the Pharmacovigilance Program of India (PvPI) helpline/app. (available at: [https://play.google.com/store/apps/details?id=com.vinfotech.suspectedadversedrugreaction&hl=en\\_IN](https://play.google.com/store/apps/details?id=com.vinfotech.suspectedadversedrugreaction&hl=en_IN))
- 6) If anyone becomes symptomatic while on prophylaxis, he/she should immediately contact the health facility, get tested as per national guidelines and follow the standard treatment protocol. Apart from the symptoms of COVID-19 (fever, cough, breathing difficulty), if the person on chemoprophylaxis develops any other symptoms, he should immediately seek medical treatment from the prescribing medical practitioner.
- 7) All asymptomatic contacts of laboratory confirmed cases should remain in home quarantine as per the National guidelines, even if they are on prophylactic therapy.
- 8) Simultaneously, proof of concept and pharmacokinetics studies should be continued/ taken up expeditiously. Findings from these studies and other new evidence will guide any change further in the recommendation.
- 9) They should follow all prescribed public health measures such as frequent washing of hands, respiratory etiquettes, keeping a distance of minimum 1meter and use of Personal protective gear (wherever applicable).

**Note: It is reiterated that the intake of above medicine should not instil a sense of false security.**